कोई निहारिका हमसे टकरा रही है

ऐसा लगता है कि हमारी निहारिका यानी आकाशगंगा के आसपास कई निहारिकाएं हैं। और तो और, ब्रह्मांड वैज्ञानिकों का विचार है कि इनमें से एक तो हमारी आकाशगंगा से टकरा रही है। वर्ष 2008 में देखा गया था कि हाइड्रोजन का एक बादल आकाशगंगा से टकराने की स्थिति में है। उस समय सोचा गया था कि इस बादल का द्रव्यमान करीब 10 लाख सूर्यों के बराबर होगा। मगर ताज़ा गणनाएं बता रही हैं कि यह बादल कहीं अधिक भारी भरकम है। यह इतना वज़नी है कि लग रहा है कि शायद यह स्वयं कोई निहारिका है।

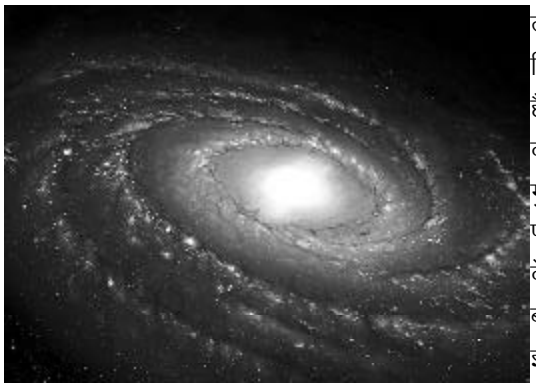

हाइड्रोजन के इस बादल को *स्मिथ्स क्लाउड* नाम दिया गया है। हमारी आकाशगंगा से टकराने के बाद भी यह पूरी तरह तहस-नहस नहीं हुई। इसके मार्ग को देखते हुए वैज्ञानिकों को विश्वास है कि यही स्मिथ्स क्लाउड एक बार पहले भी, लगभग 7 करोड़ वर्ष पूर्व, आकाशगंगा से टकरा चुका है। तब भी यह बिखरा नहीं था। इससे स्पष्ट है कि इसका द्रव्यमान कम से कम इतना तो है कि यह अपने गुरुत्व बल के दम पर टिक पाया था। सिडनी विश्वविद्यालय के मैथ्यू निकोल्स और जोस ब्लैण्ड-हॉथोर्न का मत है कि इसका द्रव्यमान पहले अनुमानित राशि से 100 गुना अधिक होना चाहिए।

बर्कले के कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय के लियो ब्लिट्ज़ का कहना है कि ऐसी कई निहारिकाएं हमारी आकाशगंगा के आसपास बिखरी हुई हैं। निहारिका निर्माण सम्बंधी गणनाओं से पता चलता है कि आकाशगंगा जैसी निहारिका के साथ कम से कम 1000 बौनी निहारिकाएं भी बननी चाहिए। मगर इन्हें आज तक खोजा नहीं जा सका है। ऐसा लगता है कि इनमें से कुछ बौनी निहारिकाएं ज़रूर अंधेरी निहारिकाएं होंगी जो अदृश्य हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***